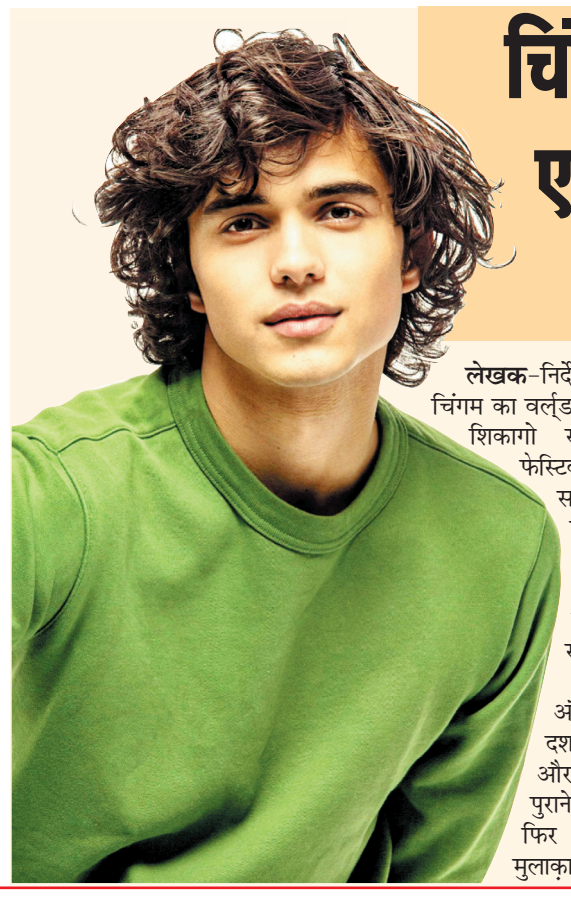

चिंगम का शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

लेखक-निर्देशक अभय शर्मा की फिल्म चिंगम का वर्ल्ड प्रीमियर, 19 सितंबर को शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल 2025 में होगा. शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल का आयोजन अम्रीका के शिकागो शहर में 14 सितम्बर से 21 सितम्बर के बीच किया जा रहा है.

हिमाचल प्रदेश में स्थित और हिमाचली संस्कृति को दर्शाने वाली यह फिल्म, अजय और राधिका की कहानी है. दो पुराने प्रेमी, जो कई सालों बाद फिर मिलते हैं. उनकी यह मुलाक़ात उन्हें अपने अधूरे सपनों, भूली यादों और अनकहे जज़्बातों से रूबरू कराती है.

अभय ने आर्यन सिंह और आदित्य सिंह के साथ मिलकर इसकी पटकथा भी लिखी है. चिंगम में अभय के अलावा स्वाति नयाल, अखिल शर्मा, सोम और डिंपल शर्मा ने मुख्य भूमिकाएँ निभायीं हैं. फिल्म का निर्माण अजय रेड्डी के ने किया है, जिन्होंने क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में भी काम किया है. फिल्म का छायांकन कार्तिक सीएस ने किया है, संकलन जोशुआ जॉर्ज जॉन ने और संगीत भव्य ठाकुर ने दिया है. चिंगम की प्रेरणा और इसे बनाने की कहानी बताते हुए निर्देशक अभय शर्मा ने कहा,चिंगम पहले प्यार की कसक, अधूरे सपनों का बोझ और उस जगह लौटने की चाह दिखाती है, जिसे ज़िंदगी की भाग-दौड़ में लोग अक्सर पीछे छोड़ जाते हैं.

लॉरेन गॉटलिब ने बाढ़ पीड़ितों के लिये जताई चिंता

अभिनेत्री और डांसर लॉरेन गॉटलिब ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में आई बाढ़ को लेकर गहरी चिंता जताई है.

लॉरेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह गुरुद्वारे में बैठकर लोगों की सुरक्षा और जल्दी ठीक होने की दुआ कर रही हैं. लॉरेन ने पंजाब से अपने खास रिश्ते के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा कि वे यहां कई बार आ चुकी हैं और यहां के लोगों से हमेशा उन्हें बहुत प्यार और अपनापन मिला है. शूटिंग के दौरान उन्होंने कई यादें बनाई हैं, खासकर सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ काम करने से उनका पंजाब से नाता और गहरा हुआ है.

लॉरेन ने खा, मेरा दिल इस समय पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ है. बाढ़ की तस्वीरें देखकर दिल टूट जाता है. पंजाब मेरे लिए बहुत खास है. मैं यहाँ कई बार आई हूँ, यहाँ से ऐसी यादें जुड़ी हैं, जिन्हें मैं कभी नहीं भूल सकती और हमेशा यहाँ के लोगों का प्यार महसूस किया है.

अफेयर्स की अफवाहों के बीच पत्नी पायल का क्रिप्टिक पोस्ट

रेसलर-एक्टर संग्राम सिंह और अभिनेत्री निकिता रावल के बीच रिश्ते को लेकर कई बाते कही जा रही हैं. साथ ही ये भी कहा गया कि अभिनेता का एक्ट्रेस निकिता के साथ अफेयर चल रहा है और वो उन्हें डेट कर रहे हैं. हालांकि, संग्राम सिंह ने इन अफवाहों का खंडन किया है और निराशा व्यक्त की. इसके अलावा निकिता रावल ने भी इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया.

इसी बीच रेसलर-एक्टर की पत्नी पायल रोहतगी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है. संग्राम सिंह के अफेयर्स से जुड़ी खबरों के बीच उनकी पत्नी और अभिनेत्री पायल रोहतगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने खुद की शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की है, जिसमें पति संग्राम सिंह के साथ वो खड़ी दिख रही हैं. एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, विश्वासघात हमेशा वफादारी के रूप में तब तक आता है, जब तक उसका मुखौटा नहीं उतर जाता.इसके साथ ही पायल रोहतगी ने एक और पोस्ट किया है. इसमें भी उन्होंने अपनी ही शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की.

उन्होंने कैप्शन दिया, %एक अमीर आदमी से पूछा कि उसने यह कैसे किया और उसने कहा %मैंने हर किसी की मदद करने की कोशिश करना बंद कर दिया% पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने 12 साल से अधिक समय तक एक-दूसरे को डेट किया था. इसके बाद साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली थी.

जनरेशन जी ने आसमान में एक तारे का नाम रखा 'सैयारा'

जनरेशन जी ने आसमान में एक तारे का नाम रखा 'सैयारा'

अहान पांडे और अनीत पड्डा के जनरेशन जी फैंस ने अपने पसंदीदा ऑन-स्क्रीन आइकॉन का जश्न मनाने का सबसे प्यारा तरीका चुना और उन्होंने आसमान में एक तारे का नाम सैयारा रखा है.

ब्लॉकबस्टर फ़िल्म सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा ने अभिनय किया है.फिल्म सैयारा को अब इस पीढ़ी का दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) और कहो ना प्यार है कहा जा रहा है, क्योंकि इस फिल्म और अहान-अनीत की सांस्कृतिक छाप ने भारत और पूरी दुनिया के दक्षिण एशियाई समुदाय पर गहरा असर डाला है. अहान और अनीत का लॉन्च अब तक का सबसे बड़ा माना जा रहा है, जिसकी तुलना 25 साल पहले ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल के डेब्यू से की जा रही है. अहान और अनीत ने कृष कपूर और वाणी बत्रा के जो किरदार निभाये वे अब डीडीएलजे के राज और सिमरन जैसी आइकॉनिक पहचान हासिल कर रहे हैं. अहान और अनीत के जनरेशन जी फैंस ने अपने पसंदीदा ऑन-स्क्रीन आइकॉन का जश्न मनाने का सबसे प्यारा तरीका चुना. उन्होंने आसमान में एक तारे का नाम सैयारा रखा है.

अहान और अनीत इस प्यार से भावुक हो गए.अहान ने कहा,असल सितारे तो आप हैं, आपका इतना चमकना ही हमारी रोशनी है. मुझे वह दिन याद है जब सैयारा सिनेमाघरों से उतर गई थी. सब कुछ हो चुका था, लेकिन मैंने खुद को उस एहसास में डूबने ही नहीं दिया. अब यह देखकर लगता है जैसे फ़िल्म ने यूनिवर्स में अपनी जगह बना ली है, आकाशगंगा के उस कोने में जहाँ सारी खूबसूरत चीज़ें चली जाती हैं जब वे यहाँ से विदा लेती हैं.

फिल्म जगत ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर देशभर से शुभकामनाओं का तांता लगा. राजनीतिक नेताओं के साथ ही फिल्म जगत की नामचीन हस्तियों ने भी सोशल मीडिया और व्यक्तिगत संदेशों के जरिए प्रधानमंत्री को बधाई दी.

वरिष्ठ अभिनेता धर्मेंद्र ने कहा आज, मैं उस महान मां को भी नमन करता हूं, जिन्होंने ऐसे सपूत को जन्म दिया. कुछ दिन पहले जब मैं अस्वस्थ था, तब प्रधानमंत्री ने मुझे फोन कर प्रोत्साहित किया. ऐसा लगा जैसे उनका स्नेह और प्यार सचमुच मेरे साथ था.

अभिनेता जितेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की स्मरणशक्ति अद्भुत है. उन्होंने कहा छह लोगों के परिवार को भी खुश रखना मुश्किल होता है, लेकिन 140 करोड़ लोगों का नेतृत्व करना और सबको साथ लेकर चलना वाकई उल्लेखनीय है. जब अमेरिका की संसद में मोदी के लिए तालियां बजती हैं, तो यह भारत के लिए गर्व का क्षण है.

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने लिखा एक छोटे शहर से वैश्विक मंच तक के सफर में आपका अनुशासन, मेहनत और राष्ट्र के प्रति समर्पण साफ दिखता है. 75 साल की उम्र में भी आपकी गति और ऊर्जा युवाओं से बढ़कर है. मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमेशा स्वस्थ और खुश रहें.

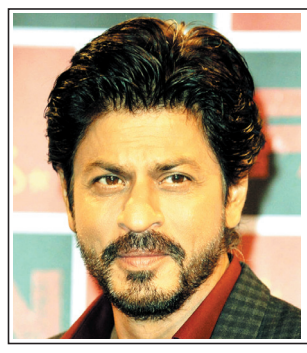

सुपरस्टार रजनीकांत ने शुभकामना संदेश में कहा—आपके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और मन की शांति की कामना करता हूं. भारत के विकास में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा.

अभिनेता आमिर खान ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी , आप भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं. जन्मदिन मुबारक हो, कैप्टन.

अभिनेता अक्षय कुमार ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा—आपका नेतृत्व हमारे राष्ट्र के भविष्य को आकार देता रहे. आपका स्वास्थ्य, शक्ति और सफलता अटल रहे.

नया गाना बोल कफारा क्या होगा रिलीज

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का नया गाना बोल कफारा क्या होगा रिलीज़ कर दिया गया है.

इस गाने में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की जोड़ी नज़र आ रही है.इस गीत को नेहा कक्कड़ और फरहान सबरी ने गाया है. इसका संगीत डीजे चेतस और लिजो जॉर्ज ने तैयार किया है और इसके बोल असीम रज़ा और समीर अंजान ने लिखे हैं. गाने के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा कक्कड़ ने कहा, बोल कफारा क्या होगा एक ऐसा गीत है, जो प्यार और तड़प का बोझ अपने साथ लाता है. इसे गाना मेरे लिए एक भावुक अनुभव था, क्योंकि यह हर उस इंसान से जुड़ता है, जिसने कभी गहराई से प्यार किया हो या किसी को खोया हो. मुझे बहुत खुशी है कि लोग इसे इतनी शिद्दत से अपना रहे हैं.

%एक दीवाने की दीवानियत% को अंशुल गर्ग ने देसी मूवीज़ फैक्ट्री के बैनर तले निर्मित किया है और राघव शर्मा इसके सह-निर्माता हैं. फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी ने किया है, जिसे उन्होंने मुश्ताक शेख के साथ मिलकर लिखा है और डायलॉग्स भी जावेरी ने ही दिए हैं.यह फिल्म इस दिवाली, 21 अक्टूबर, 2025 को रिलीज़ होगी.

स्टार प्लस ला रहा है नया शो 'माना के हम यार नहीं'

स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए नया शो 'माना के हम यार नहीं' के साथ एक नई और ताज़ा कहानी लेकर आ रहा है.

इस शो में मंजीत मक्कड़, कृष्णा का रोल निभा रहे हैं, दिव्या पाटिल शो में खुशी का रोल निभाते नजर आने वाली हैं. शो में दोनों की ज़िंदगियाँ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन किस्मत उन्हें मिलवा देती है. जहाँ खुशी मज़बूत और जिम्मेदार लड़की है, वहीं कृष्णा अपनापन और सादगी से भरे हुए हैं. दोनों मिलकर एक ऐसी कहानी बनाते हैं, जिसमें ढेर सारी भावनाएँ, मोड़ और नए रिश्ते देखने को मिलेंगे.

हाल ही में आए प्रोमो में हमें खुशी और कृष्णा की दुनिया की झलक देखने मिलती है. खुशी एक ऐसी लड़की है जो अपने बीमार पिता का सहारा बनने के लिए कपड़े प्रेस करके गुज़ारा करती है. अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए वो एक बड़ा और अनोखा फैसला करते हुए कॉन्ट्रैक्ट ब्राइड बनने के लिए इंटरव्यू देती है.वहीं दूसरी तरफ, कृष्णा को ऐसे इंसान के रूप में दिखाया गया है जो आसानी से हर किरदार में ढल जाता है, चाहे डॉक्टर हो, पुलिस वाला या अब दूल्हे की भूमिका.

उनकी पहली मुलाकात कोर्टरूम में होती है, जिसे एक वकील ने तय किया है, जहां दोनों एक कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की शर्तों से बंध जाते हैं. खुशी के लिए यह कदम प्यार नहीं बल्कि जीने का सहारा है, जबकि कृष्णा का मस्तमौला अंदाज और चार्म इस रिश्ते में एक नया रंग भर देती हैं.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

साल के आखिरी सूर्य ग्रहण की तारीख आई नजदीक

खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वालों के लिए आने वाला वीकएंड खास होने जा रहा है. दुनियाभर के स्काईवॉचर इस साल के आखिरी सूर्य ग्रहण का जादू देखने के लिए तैयार हैं. साल का बहुप्रतीक्षित आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर को लगने वाला है. यह आगामी ग्रहण विशेष महत्व रखता है. यह ग्रहण ठीक उस समय लगेगा, जब दुनियाभर में दिन और रात तकरीबन बराबर समय के होते हैं. हालांकि रात का समय होने की वजह से यह भारत में नहीं दिखेगा.

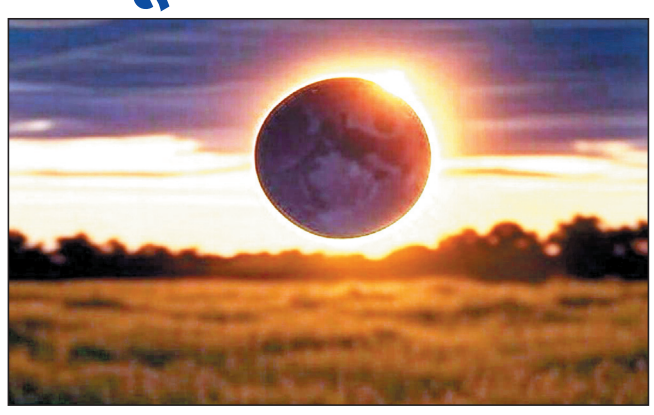

21 सितंबर के सूर्य ग्रहण के दौरान चंद्रमा सूर्य को आंशिक रूप से ढक लेगा. इससे एक शानदार नजारा बनेगा. हालांकि पूरी तरह से अंधेरा नहीं होगा. यह सूर्य ग्रहण खासतौर से दक्षिणी गोलार्ध में दिखाई देगा. न्यूजीलैंड, पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों और अंटार्कटिका के क्षेत्रों में इसका सबसे अच्छा दृश्य दिखाई देगा. इन क्षेत्रों में चंद्रमा सूर्य के 72 फीसदी तक हिस्से को ढक लेगा. इससे सूर्य आसमान में रहस्यमयी अर्धचंद्राकार चमक से भर जाएगा.

क्यों होता है सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण का होना एक वैज्ञानिक घटना है. सूर्य ग्रहण तब होता है, जब अमावस्या पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाती है, जिससे पृथ्वी की सतह के कुछ हिस्सों पर छाया बनती है. यह सूर्य ग्रहण सितंबर के आखिरी दिनों में पड़ रहा है. यह ऐसा समय है, जब दिन और रात लगभग बराबर होते हैं. यह संयोग इस सूर्य ग्रहण में लोगों की दिलचस्पी को और बढ़ा रहा है.

इस सूर्य ग्रहण को भारत और उत्तरी गोलार्ध के देश नहीं देख सकेंगे. भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, अफगानिस्तान में सूर्य ग्रहण नहीं दिखेगा. दक्षिण और उत्तरी अमेरिका के महाद्वीपों में भी ये आंशिक सूर्य ग्रहण नहीं दिखेगा. दक्षिणी गोलार्ध के समुद्री क्षेत्रों और छोटे द्वीपीय देशों में इस सूर्य ग्रहण का सबसे अच्छा दृश्य दिखाई देगा.

यह सूर्य ग्रहण न्यूजीलैंड, ईस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, साउथ पैसिफिक आइसलैंड, अंटार्कटिका की कुछ जगहों पर देखा जाएगा. भारत में भले ही यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा लेकिन ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग या खगोल विज्ञान से जुड़ी प्रसारण सेवाओं के जरिए इसे देख सकते हैं. यह लाइव स्ट्रीमिंग वैज्ञानिक अध्ययन में भी मददगार साबित होगी.

धरती की वो सीमा जिसे पार करते ही शुरू होती है स्पेस की दुनिया

आपके मन में कभी न कभी तो ये सवाल जरूर आया होगा कि धरती कहां खत्म होती है. या फिर वो कौन सी जगह है जहां अंतरिक्ष शुरु होता है. आपको बता दें कि एक ऐसी काल्पनिक रेखा है जिस जगह हमारी धरती का वायुमंडल खत्म हो जाता है. यह दीवार नहीं बल्के वैज्ञानिकों द्वारा तय की गई सीमा है जो बताती है कि अंतरिक्ष कहां से शुरु होता है. यह रेखा धरती के वायुमंडल और बाहरी अंतरिक्ष के बीच की एक काल्पनिक रेखा है जहां से स्पेस की दुनिया शुरु हो जाती है.

क्या है ये लाइन?- जिस सीमा को वैज्ञानिकों द्वारा तय किया गया है उसे कार्मन रेखा कहते हैं. इस जगह पर हवा भी नहीं पहुंचती क्योंकि यह धरती से 100 किमी की ऊंचाई पर स्थित है.

क्या थी वैज्ञानिकों की कैलकुलेशन? - सन् 1950 में वैज्ञानिकों ने अपनी कैलकुलेशन से पता लगाया कि धरती से 100 किमी ऊपर हवा की एक बेहद ही पतली परत है कि वहां कोई भी विमान पंख फैला कर उड़ान नहीं भर सकता. उड़ना तो दूर आप इस जगह पर सांस भी नहीं ले सकते, यह रेखा धरती के वायुमंडल और स्पेस के बीच की एक काल्पनिक रेखा है जहां से अंतरिक्ष की दुनिया शुरु हो जाती है. धरती से 100 किमी की ऊंचाई पर मौजूद ये रेखा जिसे कार्मन लाइन कहते हैं, यहां हवा लगभग खत्म हो जाती है वहां किसी भी तरह का घर्षण नहीं होता इसलिए वहां रॉकेट तेज स्पीड के साथ उड़ सकेत हैं.

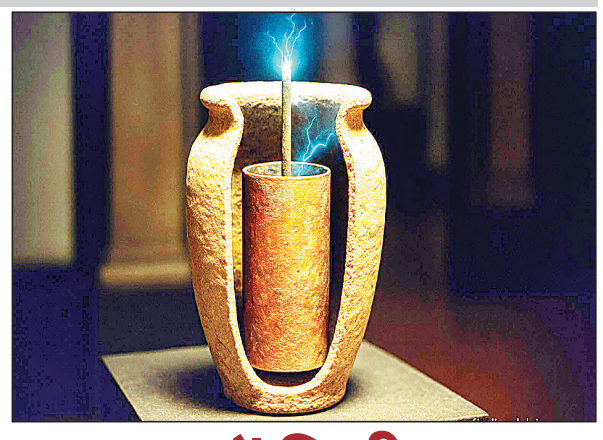

बगदाद में मिली 2000 साल पुरानी बैटरी

19 30 के दशक में बगदाद के पास एक अजीब सी चीज मिली जिसे बेबीलोन बैटरी कहा गया. यह एक मिट्टी का बर्तन था जिसमें ताबें का सिलेंडर और एक लोहे की छड़ लगी थी जो बिल्कुल आज की बैटरी जैसा लगता है. यह खोज इस बात पर जोर देती है कि क्या 2000 साल पहले मेसोपोटामिया के लोग बिजली का इस्तेमाल करते थे. यह जानकारी जर्नल ऑफ नियर ईस्टर्न स्टडीज में छपी रिसर्च में बताई गई. अगर इसमें सिरका या नींबू का रस जैसी खट्टी चीज डाली जाए तो यह एक से 2 वोल्ट तक का करंट बना सकती है. इसलिए इसे दुनिया की सबसे पहली बैटरी भी होने की संभवना है.

ऐसा माना जाता है कि इस बैटरी का इस्तेमाल इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए किया जाता होगा. इलेक्ट्रोप्लेटिंग में बिजली का इस्तेमला करके किसी चीज पर सोने या चांदी जैसी धातु की पतली परत चढ़ाई जाती है. वैज्ञानिकों ने बैटरी की नकल बनाई है और दिखाया कि यह कितनी बिजली बना सकता है जिससे छोटी-मोटी चीजों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग की जा सके. हालांकि, यह अभी तक साबित नहीं हुआ है कि मेसोपोटामिय के लोग बैटरी का इस्तेमाल इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए करते थे.

एक सिद्धांत कहता है कि Babylon Battery का इस्तेमाल किसी धार्मिक काम के लिए होता होगा. बहुत सी पुरानी सभ्यताएं रोजमर्रा की पुरानी चीजों को भी धार्मिक ही मानती थीं. कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि इस बैटरी से निकलने वाले हल्के बिजली के झटके को भगवान की शक्ति माना जाता होगा. इस वजह से इसका इस्तेमाल धार्मिक अनुष्ठान या बीमारियों को ठीक करने के लिए होता होगा.

डिजिटल पेमेंट करने वाले लोगों के लिए जरूरी खबर

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पर्सन-टू-मर्चेंट (क्2रू) ट्रांजैक्शन लिमिट बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है. इसी के साथ अब यूपीआई के जरिए बड़ा लेनदेन करना और भी आसान हो गया है. यह फैसला खासतौर पर उन सेक्टर्स से जुड़े लोगों की मदद के लिए लिया गया है, जिन्हें पहले लिमिट कम होने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता था. नए बदलाव के बाद शेयर मार्केट में निवेश और इंश्योरेंस प्रीमियम की पेमेंट की भी लिमिट को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है. हालांकि, एक दिन में अधिकतम 10 लाख रुपये से अधिक पेमेंट नहीं किया जा सकेगा.

नए नियमों में क्या-क्या बदला?- नए नियमों के मुताबिक, कैपिटल मार्केट, इंश्योरेंस प्रीमियम, क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट, ट्रैवल और सरकारी ई-मार्केटप्लेस (व्द्मरू) जैसी कैटेगरीज में प्रति ट्रांजैक्शन की सीमा 2 लाख रुपये से 5 लाख रुपये कर दी गई है. इनमें से आप एक दिन में 10 लाख रुपये तक का ट्रांजैक्शन कर पाएंगे. इसी तरह से यूपीआई के जरिए ज्वेलरी खरीद की सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति लेनदेन (पहले 1 लाख रुपये) कर दी गई है. इस कैटेगरी में आप एक दिन में अधिकतम 6 लाख रुपये से ज्यादा ट्रांजैक्शन नहीं कर पाएंगे.

नहीं लगेगा कोई एक्स्ट्रा चार्ज

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस लिमिट बढ़ोतरी पर किसी भी तरह का एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा. यानी यूजर्स अब बड़ी राशि का भुगतान भी बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज कर सकेंगे. यह बदलाव केवल पर्सन टू मर्चेंट (पी2एम) पेमेंट पर लागू है.

- क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट- अब एक बार में 5 लाख रुपये तक का भुगता संभव है. रोजाना की लिमिट छह लाख रुपये रखी गई है.
- लोन की EMI- हर एक ट्रांजैक्शन की लिमिट पांच लाख और रोजाना लिमिट 10 लाख रुपये.
- सोने की खरीदारी- एक लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख प्रति लेनेदेन हो जाएगा. रोजाना लिमिट छह लाख रुपये हुई है.
- बैंकिंग सर्विस (टर्म डिपॉजिट)- डिजिटल पेमेंट अब 5 लाख तक संभव है, पहले यह सीमा दो लाख रुपये थी.